सतोपथ एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र R.N.I.No.UTTHIN/2016/68232

वर्ष-9 अंक-45 हरिद्वार, बुधवार, 07 मई 2025 मूल्य- एक रूपया मात्र पृष्ठ : 8

मुख्य सचिव ने की मंडल रेल प्रबंधक मुरादाबाद एवं इज्जतनगर के साथ बैठक

(संवाददाता)

देहरादूनं। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में प्रदेश में संचालित विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर

मुरादाबाद एवं इज्जतनगर के मंडल रेल प्रबंधक एवं शासन के उच्चाधिकारी एवं सम्बन्धित जनपदों के जिलाधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेलवे लाईन पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रोजेक्ट की अद्यतन जानकारी ली।

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेललाईन का कार्य निर्धारित समय पर हो पूराः मुख्य सचिव–मुख्य सचिव ने रेलवे एवं शासन/प्रशासन के मध्य राजस्व एवं वन भूमि आदि के मामलों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित जनपदों के जिलाधिकारियों और रेलवे के अधिकारियों से समस्याओं पर बिन्दुवार चर्चा कर मामलों को निस्तारित किया। उन्होंने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग की अध्यक्षता में रेलवे, वन एवं राजस्व को संयुक्त रूप से बैठक कर भूमि अधिग्रहण एवं हस्तांतरण की प्रक्रिया का निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना को निर्धारित समय पर पूर्ण किए जाने पर जोर दिया। कहा कि योजना की अद्यतन जानकारी समय–समय पर मुख्य सचिव कार्यालय को उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा शुरू हो चुकी है। विभिन्न टनलों के आसपास रेलवे द्वारा प्रयोग में लायी जा रही सड़कों की स्थिति काफी खराब हो चुकी है, जिसे रेलवे द्वारा दुरूस्त कराया जाना है, उन्हें बिना देरी किए तत्काल ठीक कराया जाए। हर्रावाला रेलवे स्टेशन को पूर्ण विकसित रेलवे स्टेशन की तर्ज पर किया जाए तैयारः मुख्य सचिव ने डीआरएम आर.के. सिंह से हर्रावाला रेलवे स्टेशन को एक पूर्ण विकसित रेलवे स्टेशन की तर्ज पर तैयार करने की योजना पर काम किए जाने की बात कही। उन्होंने आश्वासन दिया कि उन्हें इसके लिए जितनी भी भूमि की आवश्यकता होगी, राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र के लिए डेवेलपमेंट प्लान तैयार कर लिया जाए। साथ ही, उसे रेलवे स्टेशन के प्लान के साथ शामिल करते हुए एक विस्तृत एवं एकीकृत प्लान तैयार किया जाए। मुख्य सचिव ने शहरी विकास, पर्यटन, उद्योग और रेलवे संयुक्त रूप से भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार प्रदेशभर में रेलवे प्रोजेक्ट्स का प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में हरिद्वार में कुम्भ मेला आयोजित होना है। उन्होंने रेलवे को इसके लिए ज्वालापुर रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण और अपग्रेडेशन की योजना तैयार कर कार्यवाही शुरू किए जाने की बात कही, ताकि कुम्भ के दौरान क्षेत्र में भीड़ प्रबन्धन और निकासी को सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके। उन्होंने डीआरएम मुरादाबाद एवं इज्जतनगर से, उनके सम्मुख आ रही अन्य समस्याओं की भी जानकारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार द्वारा रेलवे द्वारा कराए जा रहे कार्यों में हर सम्भव सहायता उपलब्ध करायी जाएगी एवं शासन प्रशासन स्तर से समस्याओं का शीघ्रातिशीघ्र निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने डीआरएम इज्जतनगर वीना सिन्हा से टनकपुर–देहरादून कोच की आवृत्ति बढ़ाए जाने और टनकपुर–दिल्ली के बीच वंदे भारत चलाए जाने पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, अपर सचिव विनीत कुमार एवं रीना जोशी सहित शासन और रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह जी का कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित व्यक्तित्व हमारे राष्ट्र की विरासत : डॉ संतोषानंद देव

महामहिम राज्यपाल संग डॉ संतोषानंद देव ने किये, बाबा केदारनाथ के दर्शन

हरिद्वार (संवाददाता)। श्री अवधूत मंडल आश्रम बाबा हीरादास हनुमान मंदिर के पीठाधीश्वर महंत महामंडलेश्वर डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज ने कहा कि उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल

गुरमीत सिंह जी का कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित व्यक्तित्व हमारे राष्ट्र की विरासत है, तो यह कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। ऐसे व्यक्तित्वों का दर्शन, मूल्य और जीवनशैली वर्तमान पीढ़ी के लिए एक अनूठा उपहार होगा। उनका व्यक्तित्व और सोच गुरु नानक देव जी और गुरु गोबिंद सिंह जी के %सच खंड वासे निरंकार और % निश्चिय कर अपनी जीत करों % के बताए मार्ग पर आधारित है।भारतीय सेना में अपनी सैन्य कुशलता और दक्षता के लिए जाने जाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह वर्तमान में उत्तराखंड के राज्यपाल के पद पर कार्यरत हैं। यह प्रदेशवासियों का सौभाग्य है।?

बताते चलें कि महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह के संग सोमवार को द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक, दिव्य धाम श्री केदारनाथ धाम की पावन भूमि पर पहुँचकर भगवान केदारेश्वर के दर्शन एवं पूजा अर्चना की। उन्होंने

देवाधिदेव महादेव की विधिवत पूजा–अर्चना कर उत्तराखंड की समृद्धि, सुख–शांति व जनकल्याण हेतु प्रार्थना की। इसके साथ ही उन्होंने महामहिम राज्यपाल महोदय के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें महामहिम राष्ट्रपति के पद पर सुशोभित होने का भी आशीर्वाद दिया।? इस मौके पर डॉ संतोषानंद देव महाराज ने कहा कि भगवान केदारनाथ के दर्शन अलौकिक अनुभव, सदैव की तरह असीम शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देने वाला रहा। महामहिम राज्यपाल के संग दर्शन करने पर विशेष अनुभूति हुई। वें भगवान केदारनाथ से महामहिम राज्यपाल महोदय को पुनः दोबारा राज्यपाल के पद पर आसीन होने की प्रार्थना करते हैं। इतना ही नहीं भविष्य में बाबा केदारनाथ के आशीर्वाद से महामहिम राष्ट्रपति के पद पर आसीन होंगे।

हरिपुर कला में महिलाओं को सशक्त करने को ग्रीन बिजनेस प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

(संवाददाता)

देहरादून,। गोबर से निर्मित पर्यावरण–अनुकूल दीयों के उत्पादन पर आधारित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यक्रम स्पेक्स देहरादून एवं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट), देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में यूकोस्ट के देहरादून जिला समन्वयक एवं श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) गुलशन कुमार ढींगरा उपस्थित रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं स्थानीय महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कुल 1,263 इको–फ्रेंडली दीए तैयार किए गए, जो जैव–अपघटनीय (बायोडिग्रेडेबल) होने के साथ–साथ उपयोग के पश्चात खाद में परिवर्तित होकर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ भारत मिशन को भी बल प्रदान करते हैं।

स्पेक्स के अध्यक्ष डॉ. बृज मोहन शर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं अर्ध–शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को स्वावलंबी बनाना है, जिससे वे स्थानीय संसाधनोंकृविशेषतः गोबरकृ का उपयोग कर पर्यावरण हितैषी दीयों का निर्माण कर सकें। इस पहल का उद्देश्य केवल पर्यावरणीय चेतना बढ़ाना नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना भी है। डॉ. शर्मा ने समापन अवसर पर कार्यक्रम के सामाजिक–आर्थिक महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को ग्रीन बिजनेस से जोड़ने का एक रणनीतिक प्रयास है, जो सतत विकास लक्ष्यों ँ(क्ळे) के अनुरूप है।

सम्पादकीय

नैतिक पत्रकारिता का समर्थन करने की माँग

न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायका और प्रेस/मीडिया। लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ का विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 3 मई2025को मनाया जा रहा है। प्रेस/मीडिया की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने, आम लोगों की आवाज़ प्रशासन तक पहुंचाने की है जो आज के युग में एक चुनौतीपूर्ण कार्य है हालांकि किसी भी देश की सरकारें, शासन-प्रशासन अपने कर्तव्यों अधिकारों का पालन संविधान, कानून, नियमों, विनियमों की प्रक्रिया के दायरे में ही करते हैं तथा देश के उद्योगपति, व्यवसाई नागरिक भी अपना दैन्य जीवनकार्य शासन द्वारा बनाए नियमों की सीमाओं में ही करते हैं। परंतु कुछ इसके अपवाद भी हो सकते हैं जो इन कानूनों, मर्यादाओं को ताक पर रखकर अपने कर्तव्यों की अनदेखी कर अनधिकृत रूप से कार्यों को दिशा देते हैं। बस ! यही से प्रेस/मीडिया का कार्य शुरू होता है जो इतनीं जोखि़मि भरी सेवा होती है जो यह हम सब समझ सकते हैं। भारतीय कानूनी प्रणाली द्वारा यह स्पष्ट रूप से संरक्षित नहीं किया गया है लेकिन यह संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (क) के तहत संरक्षित है जिसमें कहा गया है कि सभी नागरिकों को वा एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार होगा। हालांकि प्रेस की स्वतंत्रता भी असीमित नहीं होती है। कानून इस अधिकार के प्रयोग पर केवल उन प्रतिबंधों को लागू करता है जो अनुच्छेद 19 (2) मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध के दायरे में आते हैं। वह हैं, भारत की संप्रभुता और अखंडता से संबंधित मामले, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था शालीनता या नैतिकता या न्यायालय की अवमानना के संबंध में मानहानि या अपराध को प्रोत्साहन। साथियों बात अगर हम प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के उद्देश्यों व महत्व की करें तो,विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 के उद्देश्य (1) विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस, 3 मई, 2025 को मीडिया स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों को बढ़ावा देने, दुनिया भर में मीडिया की स्वतंत्रता की स्थिति का आकलन करने और पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों को उनके काम पर हमलों से बचाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। (2) यह पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक रूप से सूचित चर्चा के लिए स्वतंत्र प्रेस के महत्व को रेखांकित करने का दिन है जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज की तीन प्रमुख आधारशिलाएँ हैं। (3) पत्रकारों के सामने आने वाले खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी, जिसमें सेंसरशिप, धमकी, उत्पीड़न, कारावास और हिंसा शामिल हैं। (4) ऐसी चुनौतियों को उजागर करके, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस सरकारों संस्थानों और व्यक्तियों को प्रेस के लिए एक स्वतंत्र और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। (5) यह उन पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए भी एक दिन है जो कठिन और खतरनाक परिस्थितियों में रिपोर्टिंग करना जारी रखते हैं। (6) यह नैतिक पत्रकारिता, शांति और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका और गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं का मुकाबला करने के लिए क्या करने की आवश्यकता है, पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। (7) विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मीडिया संगठनों, नागरिक समाज और प्रेस स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय निकायों के बीच वैश्विक एकजुटता और सहयोग को मजबूत करता है। अंत में, यह सार्वजनिक हित के रूप में स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए सभी क्षेत्रों से समर्थन और सरकारों से जनता के जानने के अधिकार की रक्षा करने का आह्वान करता है विश्व प्रेस द्व स्वतंत्रता दिवस 2025 का महत्वपूर्ण महत्व-- (1) 3 मई, 2025 को, दुनियाँ विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस को एक महत्वपूर्ण दिन के रूप में मनाएगी, क्योंकि यह लोकतंत्र के निर्माण के साथ-साथ मानवा धिकारों की सुरक्षा में एक स्वतंत्र और स्वतंत्र प्रेस की भूमिका को प्रमाणित करता है। (2) यह एक गंभीर अनुस्मारक है कि प्रेस की स्वतंत्रता एक विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि एक मानव अधिकार है जो नागरिकों को सूचित करता है, उन्हें नागरिक जीवन में शामिल करता है और सत्ता में बैठे लोगों को जवाबदेह बनाता है। (3) इसका उद्देश्य पत्रकारों के सामने आने वाले विभिन्न खतरों और चुनौतियों जैसे कि सेंसरशिप, धमकी, उत्पीड़न और यहां तक ??कि हिंसा की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित करना है। यह ऐसी परिस्थितियाँ लाता है जो मीडिया पेशेवरों के लिए व्यापक सुरक्षा और संरक्षा की माँग करती हैं ताकि वे बढ़ती संख्यामें मानवाधिकार-आधारित जुड़ाव के हित के क्षेत्र में आ सकें। (4) यह गलत सूचना से लड़ने और नैतिक पत्रकारिता का समर्थन करने की माँग करता है जो सूचना देने के लिए है न कि गुमराह करने के लिए। (5) विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस उन पत्रकारों की स्मृति को अमर बनाता है जिन्होंने सत्य की खोज में अपनी अंतिम कीमत चुकाई। (6) यह मीडिया बहुलवाद, पारदर्शिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिक समाज के बीच स्थायी संवाद को बढ़ावा देता है। (7) तेजी से बदलते डिजिटल परिदृश्य में, यह दिन हमें सार्वजनिक विश्वास को बढ़ावा देने के लिए विश्वसनीय और स्वतंत्र पत्रकारिता के महत्व के बारे में जागरूक बनाता है।

करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पर शेयर की लेटेस्ट फोटोज, फैंस ने नेचुरल ब्यूटी का दिया टैग

मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना अपनी खूबसूरती को लेकर हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटोज में करिश्मा डेनिम जींस और वाइट टॉप में नजर आ रही हैं। वह सभी फोटोज में बैठे हुए शानदार पोज दे रही हैं और अपने फेस एक्सप्रेशन से कहर ढा रही हैं। एक्ट्रेस की यह फोटोज अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। लोग उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा- लवली

दूसरे यूजर ने कमेंट में लिखा- उफ्फ! तुम्हारी मदहोश आंखें

एक अन्य यूजर ने लिखा- नेचुरल ब्यूटी

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो करिश्मा तन्ना छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने 2001 में टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अपने करियर की शुरुआत की। वह बाल वीर, नागिन 3, कयामत की रात जैसी टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कई फिल्में भी की हैं, जिसमें दोस्ती-फ्रेंड्स फॉरएवर, ग्रैंड मस्ती, संजू जैसी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा, वह ओटीटी में भी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने वेब सीरीज करले तू भी मोहब्बत और स्कूप में भी काम किया है।

वह रियलिटी शो बिग बॉस 7 की रनर-अप रहीं। उन्होंने झलक दिखला जा और खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शोज भी किए। वह खतरों के खिलाड़ी 10 की विजेता रही हैं। तन्ना अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। साल 2022 में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड वरुण बंगेरा से शादी की। वरुण बंगेरा एक बिजनसमैन हैं और वीबी क्रॉप नाम की कंपनी के डायरेक्टर हैं। दोनों पहली बार कॉमन फ्रेंड सुवेद लोहिया की पार्टी में मिले थे। तकरीबन दो साल तक डेट करने के बाद दोनों 5 फरवरी 2022 को शादी के बंधन में बंध गए।

नीट यूजी परीक्षा को लेकर प्रौद्योगिकी संस्थान कोठियाल सैण में परीक्षा केन्द्र बनाया

चमोली, ब्यूरो। 04 मई को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित नीट यूजी परीक्षा को लेकर प्रौद्योगिकी संस्थान कोठियाल सैण में परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा को नकलविहीन व शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी संदीप तिवारी के आदेशों के क्रम में परगना मजिस्ट्रेट चमोली राजकुमार पाण्डेय द्वारा परीक्षा केन्द्र की 200 मीटर की परिधि में धारा 163 लगायी गयी है। परीक्षा केन्द्र की 200 मीटर की परिधि के अन्तर्गत 05 से अधिक व्यक्ति एक स्थान पर एकत्र नहीं होंगे। परीक्षा केन्द्र के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग वर्जित रहेगा। कोई व्यक्ति परीक्षा केन्द्र के आसपास अस्त्र नहीं ले जाएगा।

धामी सरकार सख्त, मिलावटखोरी पर कसा शिकंजा

(संवाददाता)

देहरादून। चारधाम यात्रा, मानसखंड यात्रा, कैलास मानसरोवर यात्रा और आगामी पर्यटन सीजन को लेकर उत्तराखंड सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में मिलावटखोरों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर काम हो रहा है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य सचिव व आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ आर राजेश कुमार के निर्देश पर अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी के नेतृत्व में एफडीए की टीम कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के दौरे पर रवाना हो गई है। टीम ने अपने पहले दिन हरिद्वार से लेकर हल्द्वानी व उधमसिंहनगर तक ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान चलाया। अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने कहा आयुक्त डॉ आर राजेश कुमार के निर्देश पर उनका यह दौरा मुख्य रूप से यात्रा मार्गों पर खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और नकली दवाओं की रोकथाम की तैयारियों की समीक्षा को लेकर है। आज अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी एवं संयुक्त आयुक्त डॉ. आर.के. सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने हरिद्वार–नजीबाबाद मार्ग स्थित सजनपुर और चिड़ियापुर क्षेत्र के ढाबों व भोजनालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गम्भीर अनियमितताएं पाए जाने पर मामा भांजा गढ़वाली ढाबा, न्यू स्टार गढ़वाली ढाबा और हिमालयन भोजनालय के फूड लाइसेंस 7 दिन के लिए निलंबित कर दिए गए। इन ढाबों में खुले वॉशिंग एरिया, सड़ी–गली खाद्य सामग्री, खुले मसालों का उपयोग, गंदगी व बदबूदार किचन आदि प्रमुख कमियां पाई गईं। वहीं सजनपुर स्थित खैरा पंजाबी ढाबा को आवश्यक दस्तावेज न देने और खाद्य सामग्री की गलत ढंग से स्टोरेज करने पर नोटिस जारी किया गया। सभी संचालकों को 7 दिन के भीतर सुधार कर अनुपालन रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा न करने पर स्थायी लाइसेंस रद्द कर, एफएसएस एक्ट 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी और संयुक्त आयुक्त डॉ. आर.के. सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने हल्द्वानी और उधमसिंहनगर जनपदों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान खाद्य सामग्री विक्रेताओं, मिठाई दुकानों, होटल–ढाबों और मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की गई। टीम ने कई स्थानों पर साफ–सफाई में लापरवाही, एक्सपायरी उत्पादों की बिक्री, लाइसेंस की अनुपलब्धता और खाद्य मानकों के उल्लंघन जैसी गंभीर अनियमितताएं पाईं। कई दुकानों को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने व कमियों को दूर करने

के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के निर्देश पर प्रदेश प्रशासन, विशेषकर एफडीए यात्रा मार्गों पर खाद्य और औषधि सुरक्षा को लेकर एक्शन मोड में है। स्वास्थ्य सचिव/आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देश पर अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी पूरी टीम के साथ दोनों मंडलों के दौरे पर रवाना हो गए हैं। इस दौरान निरीक्षण दलों के साथ बैठकें, स्थानीय व्यापारियों, ढाबा संचालकों, होटल मालिकों व आम नागरिकों से संवाद स्थापित भी किया जा रहा है। उनका उद्देश्य सभी को खाद्य सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि ष्हमें सुनिश्चित करना है कि यात्रियों को स्वच्छ और मिलावटमुक्त खाद्य सामग्री मिले, ताकि उनकी यात्रा सुरक्षित और सुखद हो।

ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि विभागीय निरीक्षकों, खाद्य व औषधि निरीक्षकों की यात्रा मार्गों पर तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स को पूरी तरह एक्टिव मोड में लाया गया है, ताकि मौके पर ही खाद्य पदार्थों की त्वरित जांच की जा सके। उन्होंने चेकिंग टीमों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। जग्गी ने बताया कि पर्वतीय मार्गों में भेजे जाने वाले खाद्य पदार्थों, मिठाइयों, डेयरी उत्पादों और पेय सामग्रियों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। नकली दवाओं की आपूर्ति रोकने के लिए छापेमारी अभियान और अधिक तेज कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि चारधाम यात्रा, मानसखंड यात्रा और कैलाश मानसरोवर यात्रा न केवल हमारी आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रदेश में लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, इसलिए उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि यात्रा मार्गों पर कहीं भी मिलावटी खाद्य सामग्री, नकली दवाइयां या अस्वच्छ खानपान की सुविधा न मिले। पर्यटन सीजन के दृष्टिगत भी हम पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यात्रियों और आम जनता की सेहत से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा। मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स और निगरानी टीमें

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि राज्य में मिलावट रहित और शुद्ध खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग और थ्। पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहे हैं। अपर आयुक्त के नेतृत्व में टीम को गढ़वाल व कुमाऊँ मंडल के दौरे पर रवाना किया गया है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर यात्रा मार्ग पर मेडिकल और खाद्य सुरक्षा सुविधाएं सक्रिय रहें। थ्। द्वारा मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स और निगरानी टीमें लगातार सक्रिय हैं। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सभी जिलों में जनजागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

सभी राज्यों को उपलब्ध हो एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें: डॉ. धन सिंह रावत

–एनसीईआरटी की 59वीं आम सभा में शिक्षा मंत्री ने रखे कई सुझाव

–कहा, बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश को 6 वर्ष की बाध्यता में मिले रियायत

(संवाददाता)

देहरादून/दिल्ली,। प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की 59वीं आम सभा में कई अहम सुझाव रखे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में डा. रावत ने सभी राज्यों को कक्षा 01 से 12वीं तक एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने का सुझाव रखा। साथ ही बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित 06 वर्ष की आयु सीमा में रियायत देने तथा विद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये टीचर्स ट्रेनिंग कराने की बात बैठक में रखी।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में आज एनडीएमएस सम्मेलन केन्द्र, नई दिल्ली में एनसीईआरटी जनरल काउंसिल की 59वीं बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति–2020 की अनुशंसा के अनुरूप पाठ्यपुस्तकों एवं अन्य शैक्षिक सामग्रियों को तैयार किया गया है ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार हो सके। इस दौरान बैठक में एनसीईआरटी के कई प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया। बैठक में प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कई अहम सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में कक्षा 01 से 12वीं तक एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें लागू हो ताकि देशभर में पाठ्यक्रम की एकरूपता रहे। इसके अलावा उन्होंने पहली कक्षा में बच्चों के प्रवेश के लिये 6 वर्ष की आयु सीमा में रियायत देने की बात रखी और कहा कि उम्र की बाध्यता के चलते इस शैक्षिक सत्र में कई बच्चे प्रवेश से वंचित रह गये हैं। उन्होंने सभी राज्यों में बालवाटिका लागू करने का भी सुझाव दिया। बैठक में उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये एनसीईआरटी को टीचर्स ट्रेनिंग पर विशेष फोकस करना चाहिये ताकि राज्य भी एससीईआरटी के माध्यम से अपने प्रदेश के शिक्षकों को रोटेशन के आधार पर विशेष प्रशिक्षण देकर एनईपी–2020 के अनुरूप दक्ष बना सके। डॉ. रावत ने कहा कि निपुण भारत योजना के तहत उत्तराखंड में अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एनईपी–2020 की अनुशंसा के अनुरूप सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में बैगलेस डे लागू कर दिया गया है और बच्चों के बस्ते का बोझ भी मानकों के अनुरूप कर दिया गया है, इसके अलावा राज्य में कलस्टर विद्यालय भी बनाये जा रहे हैं। डॉ. रावत ने प्रदेश में पीएम–श्री स्कूल के अंतर्गत चयनित अन्य विद्यालयों को स्वीकृति प्रदान करने तथा एनसीईआरटी की आमसभा की अगली बैठक उत्तराखंड में आयोजित करने की मांग केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष रखी।

सूचना आयोग में फाइल खुली तो 13 वर्षों से कागजों में चल रहा टाइगर रिजर्व फाउंडेशन हो गया गठित

(संवाददाता)

देहरादून,। सूचना आयोग में फाइल खुली तो वन विभाग में 13 साल से कागजों में चल रहा टाइगर रिजर्व फाउंडेशन गठित हो गया। फाउंडेशन में वन्य जीव संरक्षण के लिए धनराशि भी जमा होने लगी। हरिद्वार में पंचायती अखाड़ा निर्मल द्वारा ध्500000 (पांच लाख रूपये) भी जमा कर दिए गये तथा राजाजी रिजर्व में वाटर होल बनाने का आश्वासन भी दिया है। राज्य सूचना आयोग में हरिद्वार निवासी रमेश चंद्र शर्मा की एक अपील पर सुनवाई में यह प्रकाश में आया कि राजाजी टाइगर रिजर्व से लगे क्षेत्र में निर्माण हेतु पार्क प्रशासन द्वारा जारी अनापत्ति की शर्तों का पालन नहीं हो रहा है। पार्क द्वारा अनापत्ति में टाइगर रिजर्व एवं वन्य जीव संरक्षण हेतु धनराशि जमा किए जाने की शर्त सिर्फ कागजों में है। जिस टाइगर रिजर्व फाउंडेशन में धनराशि जमा कराने की शर्त है वह टाइगर रिजर्व फाउंडेशन ही नहीं है।

रमेश चंद्र शर्मा द्वारा हरिद्वार में निर्मल पंचायती अखाड़ा को वन विभाग द्वारा निर्माण हेतु दी गई अनापत्ति के संबंध में सूचना मांगी गई थी। संतोषजनक सूचना प्राप्त न होने पर रमेश चंद्र शर्मा ने सूचना आयोग में अपील की जिस पर सुनवाई करते हुए राज्य सूचना आयुक्त ने विभाग से अनापत्ति दिए जाने का विवरण तलब किया। वन विभाग में 13 साल पहले निर्मल अखाड़े को कुछ शर्तों के साथ अनापत्ति दी गई थी जिसमें राजाजी पार्क के अंदर वन्य जीवन हेतु एक बड़ा वाटर होल बनाने टाइगर रिजर्व कंजर्वेशन फाउंडेशन में ध्500000 (पांच लाख रूपये) जमा कराने और राजाजी टाइगर रिजर्व की ओर चौड़ी पत्ती के ऊंची प्रजाति के वृक्षों की ग्रीन बैल्ट बनाना प्रमुख था। सुनवाई के दौरान खुलासा हुआ कि पंचायती अखाड़े निर्मल ने अनापत्ति की शर्तों का पालन किये बिना ही व्यापक निर्माण कार्य किया है। राज्य सूचना आयुक्त योगेश भटट् ने विभाग को अनापत्ति के शर्तों के अनुपालन के संबंध में सूचना प्रस्तुत करने के निर्देश दिये जिसके क्रम में वन विभाग द्वारा राजाजी टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन गठित कर उनके खाते में ध्500000 (पांच लाख रूपये) की धनराशि निर्मल अखाड़े से जमा कराई गयी। आयोग के निर्देश पर की गयी कार्यवाही पर पंचायती अखाड़ा निर्मल द्वारा आश्वस्त किया गया कि: राजाजी टाइगर रिजर्व की तरफ आश्रम द्वारा चौड़ी पत्ती के ऊंची प्रजाती के वृक्षों द्वारा ग्रीन बेल्ट बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है व आगामी वर्षा ऋतु में उक्त पेड लगा दिये जायेंगे।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972/संशोधित 2006 तथा शासनादेशों व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार के आदेशों के पूर्ण रूप से पालन किया जायेगा।

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा

(संवाददाता)

देहरादून। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ मुख्यमंत्री आवास देहरादून में कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग की केन्द्रीय योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी, राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रोहिला भी उपस्थित थे। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों तक वैज्ञानिकों की पहुंच सुनिश्चित कराए जाने के लिए वैज्ञानिकों की 2 हजार टीमें बनाई जा रही हैं। वैज्ञानिकों की टीमें देश के प्रत्येक जनपद में जाकर वहां की भौगोलिक परिस्थितियों के हिसाब से उत्पादन में वृद्धि, किसानों को आधुनिक खेती और तकनीकी से जोड़ने, कृषि और बागवानी से जुड़े विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी देंगी। उन्होंने कहा कि कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उत्तराखंड में अच्छा कार्य हो रहा है। राज्य में कृषि का क्षेत्रफल घटा है, लेकिन उत्पादन बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि के क्षेत्र में लंबी अवधि की कार्ययोजना पर कार्य किया जाए, इसके साथ ही राज्य में तात्कालिक रूप से कृषि के क्षेत्र में जो कार्य होने हैं, उनके लिए भारत सरकार से जो अपेक्षा है, उसका प्रस्ताव भेजा जाए। केंद्रीय कृषि मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि उत्तराखंड के यशस्वी, कर्मठ और कल्पनाशील मस्तिष्क के धनी मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड अद्भुत प्रगति और विकास कर रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास के मूलमंत्र को अपनाते हुए चाहे वो इंफ्रास्ट्रक्चर का सवाल हो, चाहे खेती का मामला हो, ग्रामीण विकास हो, प्रधानमंत्री आवास के मकान हो, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का बेहतर क्रियान्वयन हो या आजीविका मिशन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का काम हो, यहां तेजी से दीदियां आगे बढ़ रहीं हैं और लखपति दीदी बन रहीं हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कृषि के क्षेत्र में अद्भुत काम हुआ है। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण जब नया राज्य बना तो खेती क्षेत्रफल में कम हो गई, लेकिन उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है इसके लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी जी को श्री चौहान ने बधाई दी।उन्होंने कहा कि , राज्य के ग्रामीण विकास और कृषि मंत्री भी लगातार इन कामों को गति दे रहे हैं। शिवराज चौहान ने कहा कि बैठक में कई विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा, "मुझे बताते हुए खुशी है, कई एक्सीलेंट आइडियाज यहां से मिले जैसे ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उत्तराखंड ने अपनी इच्छा व्यक्त की 'हाउस ऑफ हिमालयाज' को एक एंकर संस्थान के रूप में स्थापित किया जाए, यह बहुत सराहनीय विचार है और हमने तय किया है कि चाहे महिलाओं द्वारा संचालित सेल्फ हेल्प ग्रुप हो, एफपीओज हो उनके गठन से लेकर एसएजी उत्पादन के एकत्रीकरण, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, जीआईटेक और फिर जो यहां की फसलें हैं चाहे वो लाल चावल हों, फिंगर, बाजरा हो, जंगली शहद हो इनकी पहुंच को हम कैसे जनता तक बढ़ाएं, इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग, हमारा एनआरएलएम एक उपयुक्त टीम भेजेगा और राज्य सरकार के साथ मिलकर इस विचार को जमीन पर क्रियान्वित करेगा ताकि जो विशिष्ट उत्पाद है उनके लिए देश और दुनिया को हम बाजार बना सकें उनकी पहुंच वहां तक बढ़ा सकें और इस काम में लगे भाई और बहनों की आय बढ़ सके"। श्री चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण विकास के लिए भी अभी प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास के रूप में 2018 के आवास प्लस की जो सूची थी उनको सबको आवास प्रदान किए जा चुके हैं , लेकिन अब चाहे वो पहाड़ों पर रहने वाले भाई–बहन हों या मैदानों में रहने वाले भाई–बहन हों इसके लिए एक व्यापक सर्वे होगा ताकि जो कच्चे आवासों में भी रह रहे हों उनको पक्का मकान प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि एक लाख से ज्यादा लाभार्थी चिन्हित हुए हैं तो प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से उनको आवास प्लस प्रदान किए जाएंगे, अभी कई बसावटें ऐसी बचीं हैं जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से नहीं जुड़ीं हैं, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में इन सब बसावटों को सम्मिलित कर लिया जाएगा और लखपति दीदी अभियान जो प्रधानमंत्री का संकल्प है कि हर बहन को लखपति बनाना है उसमें उत्तराखंड सरकार बहुत तेजी से काम कर रही है, उसके लिए भी जितनी आवश्यक है धनराशि यहां प्रदान की जाएगी, कौशल विकास में भी हम यहां कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

चारधाम यात्रा प्रबंधन में व्यक्तिगत तौर पर जुटे सीएम धामी

–चारों धामों में कपाट खुलने के दिन मौजूद रहने वाले पहले सीएम बने पुष्कर सिंह धामी

(संवाददाता)

देहरादून,। उत्तराखंड की आर्थिकी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली चारधाम यात्रा जोर शोर से शुरू हो गई है। यात्रा के पहले ही दिन से यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। इसी के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चारों धामों से लेकर प्रमुख यात्रा पड़ावों तक लगातार यात्रा तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। पुष्कर सिंह धामी कपाट खुलने के दिन चारों धामों में मौजूद रहने वाले पहले मुख्यमंत्री भी बने हैं।

चारधाम यात्रा का शुभारंभ 30 अप्रैल को गंगोत्री–यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस दिन पहले गंगोत्री और फिर यमुनोत्री धाम में पहुंच, यात्रा तैयारियों का जायजा लिया। यमुनोत्री धाम में इससे पहले कोई भी सीएम, कपाट खुलने के दिन नहीं पहुंच पाए थे। इसी तरह सीएम धामी दो मई को केदारनाथ और चार मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के दिन भी दोनों धामों में मौजूद रहे। इस तरह राज्य के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब कोई सीएम चारों धामों में कपाट खुलने के दिन मौजूद रहे। इससे जहां यात्रा तैयारियों को गति मिली, वहीं यात्रियों को भी बेतहर सुविधाएं मिल पाई। इसी तरह सीएम पुष्कर सिंह धामी चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव ऋषिकेश में भी लगातार यात्रा तैयारियों का जायजा लेते हुए, प्रबंधन अपने हाथ में लिए हुए हैं। सीएम लगातार यात्रियों से भी बातचीत करते हुए, फीडबैक ले रहे हैं। साथ ही जरूरी दिशा निर्देश भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शासन–प्रशासन के अधिकारियों को चारधाम यात्रा मार्ग पर मौसम को देखते हुए खास सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मौसम प्रतिकूल होने पर यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, साथ ही यात्रियों को भी मौसम की जानकारी दी जाए।

स्नान घाटों पर चोरी करने वाले अंतर्राजीय गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

–एसपी ने पुलिस टीम को दिया गया पांच हजार रूपये का पुरस्कार

(संवाददाता)

देहरादून। स्नान घाटों पर चोरी करने वाले अंतर्राजीय गिरोह के छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लाख रूपये की नगदी बरामद कर ली। एसपी ने पुलिस टीम को पांच हजार रूपये का ईनाम दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी पुलिस ने गंगोत्री धाम पर चोरी करने वाले गौंडा उत्तर–प्रदेश के एक गिरोह को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से 1 लाख से अधिक की नकदी बरामद की गयी है। खरगोन मध्यप्रदेश के एक श्रद्धालु वासुदेव ने थाना हर्षिल पर एक तहरीर दी, जिसमें उन्होंने बताया गया कि वह अपने परिजनों के साथ चारधाम यात्रा पर आए हैं, गंगोत्री धाम पर स्नान के दौरान उनकी पैंट चोरी हो गयी, जिसमें एक लाख 10 हजार 500 रूपये की नकदी, एक मोबाइल फोन, हाथ की घड़ी व दो आधार कार्ड थे, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। चारधाम यात्रा आये श्रद्धालुओं के सामान चोरी होने के मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी ने चोरी का अनावरण तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी, थानाध्यक्ष हर्षिल व गंगोत्री की टीम कों आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार के निकट पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष हर्षिल दीपक रावत के नेतृत्व में चोरी के खुलासे के लिए थाना हर्षिल व पुलिस स्टेशन गंगोत्री की अलग–2 पुलिस टीम गठित की गयी। पुलिस टीम ने चोरी के इस मामले मे गहन पतारसी–सुरागरसी, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ तथा सीसीटीवी फुटेजों जांच कर उत्तर–प्रदेश गौंडा के छह आरोपियों दिनेश, रविन्द्र, दयाराम, अनिल, श्यामू व आझाराम को गत रात्रि में हर्षिल बैरियर से गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से चोरी की गयी एक लाख 10 हजार 500 रूपये की धनराशि बरामद हुई। पूछताछ के दौरान उक्त अंतर्राजीय गिरोह के सदस्यों ने बताया कि वह सभी लोग आपस मे रिश्तेदार हैं, वह लोग चारधाम यात्रा मे आते हैं तथा धामों मे श्रद्धालुअ जब घाटों मे स्नान करने के लिये अपने कपडे उतारकर रखते है, पहले वह श्रद्धालुओ के सामान की रैकी करते हैं फिर वह लोग लुंगी व चादर फैलाकर उसकी सहायता से श्रद्धालुओं के कपडे, पर्स, बैग आदि की चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं उसके बाद श्रद्धालुओं के कपडे, पर्स से पैसों को निकालकर अपने पास रख लेते हैं, बाकि सामान फेंक देते हैं। गंगोत्री मे उन्होंने चोरी कर अपना काम कर दिया था, अब वह सभी गाडी बुक करवाकर दूसरी जगह पर चोरी करने के लिये रातों–रात भागने की फिराक मे थे तभी हर्षिल बैरियर पर पुलिस ने हमे पकड लिया गया। मामले में पुलिस टप्पेबाजों के आपराधिक इतिहास को टटोल रही है।

नैनीताल काण्ड के विरोध में देहरादून में महिलाओं का आक्रोश

संवाददाता।

देहरादून । उत्तराखण्ड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में आज देहरादून की सड़कें आक्रोशित महिलाओं की पदचाप और नारों से गूंज उठीं। नैनीताल में महिलाओं के साथ हुए जघन्य अपराध के खिलाफ सैकड़ों महिलाओं ने सेंट्रियो मॉल से नंगे पांव मार्च निकाला। हाथों में थालियां लिए और आंखों में गुस्सा भरे, इन महिलाओं ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर सरकार का पुतला दहन कर अपना विरोध जताया।

इस अवसर पर प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के साथ बलात्कार, उत्पीड़न और अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और अब महिलाएं इस तरह की यातनाओं को और बर्दाश्त नहीं करेंगी। रौतेला ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बलात्कारी चाहे किसी भी जाति या धर्म का हो, उसे कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने नैनीताल काण्ड के कुछ शरारती तत्वों के आपराधिक कृत्य को शर्मनाक बताया और कहा कि यह कृत्य संविधान की मर्यादाओं के विपरीत है। ज्योति रौतेला ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सरकार का फायदा उठाकर देवभूमि को कलंकित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार ऐसे अराजक तत्वों को चिन्हित कर उन्हें दंडित करे और किसी भी अपराधी को बख्शा न जाए। उन्होंने भाजपा नेताओं द्वारा महिलाओं के खिलाफ की जा रही अपमानजनक टिप्पणियों पर भी कड़ी कार्रवाई की मांग की। रौतेला ने भाजपा के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नारे को खोखला बताते हुए कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है।

अपने संबोधन में ज्योति रौतेला ने कहा कि जिस राज्य का निर्माण महिलाओं के बलिदान और संघर्ष से हुआ है, आज उसी देवभूमि में महिलाओं को अपनी अस्मत बचाने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, जो कि अत्यंत शर्मनाक है। उन्होंने धामी सरकार के सर्वोत्तम राज्यों में अव्वल होने के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वास्तविकता यह है कि प्रदेश महिला अपराधों के आंकड़ों में पूरे देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने प्रदेश की महिलाओं से अपील की कि वे कब तक वहशी लोगों का शिकार होती रहेंगी और कब तक अपमान, धमकियां, यौन शोषण और हिंसात्मक घटनाओं को सहती रहेंगी। रौतेला ने कहा कि न केवल घरेलू महिलाएं, बल्कि सरकारी दफ्तरों में काम करने वाली महिलाएं भी अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ सख्त और कठोर होने और ऐसे लोगों का डटकर मुकाबला करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ज्योति रौतेला ने उत्तराखण्ड में कानून व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त बताते हुए कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने बेटियों की हत्याओं पर सरकार की चुप्पी पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपराधियों को खुला संरक्षण दे रही है, जिसे कांग्रेस कभी बर्दाश्त नहीं करेगी और जन सरोकारों के लिए हमेशा लड़ती रहेगी।

इस विरोध प्रदर्शन में महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष उर्मिला ढौडियाल थापा, महामंत्री चन्द्रकला नेगी, पुष्पा पंवार, निधि नेगी, सुशीला शर्मा, अनुराधा तिवाडी, अमृता कौशल, सुशीला वेलवाल, दीपा चौहान, रेखा ढिंगरा, बीना चौहान, विमलेश सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं उपस्थित थीं, जिन्होंने नैनीताल काण्ड के दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा देने की मांग की।

मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की

देहरादूनसंवाददाता।। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने सभी जिला अस्पतालों एवं उप जिला अस्पतालों को चिकित्सकों, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं उपकरणों से परिपूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला अस्पतालों में मैनपावर, उपकरण एवं आधारभूत चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित किए जाने की बात कही।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की मान्यता प्राप्त करने की दिशा में कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि छ।।ब् की मान्यता के लिए पात्रता मापदंडों को पूर्ण किए जाने के लिए समय सीमा निर्धारित करते हुए इस दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जर्मनी और जापान में नर्सिंग के क्षेत्र में जॉब की अत्यधिक सम्भावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा कराए जाने वाले नर्सिंग कोर्स में जर्मन और जापानी भाषाओं को भी सिखाए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दून विश्वविद्यालय एवं अन्य भाषायी संस्थानों को जोड़ा जा सकता है। मुख्य सचिव ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में भारतीय चिकित्सा पद्यति अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एलोपैथिक चिकित्सा के साथ ही भारतीय चिकित्सा पद्यति को भी शामिल किया जाए। इसके लिए ऐलोपैथी और आयुष को मिलकर कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव ने चारधाम मार्गों पर स्थित अस्पतालों के मजबूतीकरण पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने कहा कि ऐसे अस्पताल को आधारभूत चिकित्सा सुविधाओं और उपकरणों से पूर्णतः परिपूर्ण किया जाए। इन्हीं अस्पतालों को सक्षम बना कर चारधाम यात्रा के दौरान अन्य अस्पतालों से चिकित्सकों की व्यवस्था नहीं करनी पड़ेगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन कारगर सिद्ध हो रही रही है। इसे आगे भी जारी रखा जाए। उन्होंने इसके लिए डेडीकेटेड टीम लगाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए दूरस्थ क्षेत्रों में स्थिति स्वास्थ्य केन्द्रों में कनेक्टिविटी बढ़ायी जाए। समीक्षा बैठक के दौरान सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। दो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों डाईवाला एवं भटवाड़ी को उप जिला अस्पतालों में अपग्रेड किया जा रहा है। रूद्रपुर और पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज का कार्य प्रगति पर है। विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्स और लैब तकनीशियनों की भर्ती के साथ ही स्वास्थ्य उपकरणों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य से अधिक सफलता प्राप्त किया गया है। इस अवसर पर मिशन निदेशक स्वाति भदौरिया, अपर सचिव रीना जोशी एवं महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ. सुनीता टम्टा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान होगा जल्द लागू: सीएम धामी

देहरादून संवाददाता।। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में उत्तराखंड पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित एशियन सब जूनियर-जूनियर मैन एवं वूमेन कप एवं एशियन यूनिवर्सिटी कप पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ किया। सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड को खेलभूमि के रूप में स्थापित करने उद्देश्य से हमारी सरकार राज्य में शीघ्र ही एक स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान लागू करने जा रही है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। इन अकादमियों में प्रत्येक वर्ष 920 विश्वस्तरीय एथलीट और 1000 अन्य खिलाड़ी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। हमारी सरकार हल्द्वानी में उत्तराखंड का प्रथम खेल विश्वविद्यालय एवं लोहाघाट में एक महिला स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से कार्य कर रही है। प्रदेश में खेलों के समग्र विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हमारी सरकार ने एक नवीन खेल नीति लागू की है। इस नीति के अंतर्गत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने होटल हयात सेंट्रिक देहरादून में उत्तराखंड पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशनष् द्वारा आयोजित एशियन सब जूनियर-जूनियर मैन एवं वूमेन कप एवं एशियन यूनिवर्सिटी कप पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ किया। 5 मई से 12 मई तक आयोजित हो रही इस पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारत सहित एशिया महाद्वीप के 16 देशों के करीब 300 से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि हमारी सरकार श्मुख्यमंत्री खेल विकास निधिश्, श्मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजनाश्, श्मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी योजना तथा खेल किट योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य के उभरते हुए युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का काम कर रही है।हम 'उत्तराखण्ड खेल रत्न पुरस्कार' और 'हिमालय खेल रत्न पुरस्कार' प्रदान कर खिलाड़ियों की योग्यता को भी सम्मानित कर रहे हैं। इसके साथ ही हमने राज्य की राजकीय सेवाओं में खिलाड़ियों के लिए 4 प्रतिशत खेल कोटे को पुनः लागू कर दिया है, जिससे हमारे खिलाड़ियों के परिश्रम और उत्कृष्टता को उचित अवसर और सम्मान मिल सके। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्राचीन भारतीय इतिहास में शारीरिक शक्ति और कौशल का विशेष स्थान रहा है। प्राचीन समय में जहां हमारे पूर्वज मुगदर, गदा और हल जैसे पारंपरिक उपकरणों से अपने बल और परिश्रम का प्रदर्शन करते थे, वहीं आज उनकी जगह वेट लिफ्टिंग और पावरलिफ्टिंग जैसे आधुनिक खेलों ने ले ली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक पावरलिफ्टिंग में वजन उठाने के जो तरीके हैं, वो इन पारंपरिक भारतीय खेलों से ही प्रेरित हैं। पावर लिफ्टिंग जैसी प्रतिस्पर्धाएं न केवल युवाओं में आत्मविश्वास और अनुशासन को बढ़ावा देती हैं, बल्कि उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाने में भी अपनी अहम भूमिका निभाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अपने कार्यकाल के प्रारंभ से ही ष्खेलो इंडियाष् और ष्फिट इंडिया मूवमेंटष् जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रहे हैं। आज आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में भारत खेलों के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छू रहा है तथा वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है।

उनके मार्गदर्शन में हमारी सरकार भी प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इसी वर्ष हमारे राज्य में आयोजित हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य एवं सफल आयोजन ने उत्तराखंड को देवभूमि के साथ ही खेलभूमि के रूप में भी स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया है। इस बार के राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने 100 से अधिक पदक जीतकर इतिहास रचते हुए राज्य का गौरव बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।हमने उत्तराखंड में, 517 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने के साथ ही लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरण लाकर उत्तराखंड में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है, इसी का परिणाम है कि आज उत्तराखंड केवल राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान बन रहा है।जिसका एक उदाहरण ये पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता भी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज यह विश्व स्तरीय स्टेडियम और खेल सुविधाएँ प्रदेश के खिलाड़ियों की ट्रेनिंग का एक मजबूत आधार बन चुके हैं।

अल्ट्रासाउंड इस्तेमाल उपचार तक ही रहे सीमित; अनैतिक किरदारों को रौंद दिया जाएगाः डीएम

–सहसपुर ब्लॉक में लिंगानुपात का सोशल ऑडिट के निर्देश

–तकनीकि का उपयोग जनहित के लिए ; अनैतिक कार्य, के लिए जिले में जगह नहीं

(संवाददाता)

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में पीसीपीएनडीटी सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई, डीएम ने बैठक में दिए महत्वपूर्ण निर्देश। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पीसीपीएनडीटी एक्ट में वर्णित प्राविधानों का पालन न करने तथा समय से सेन्टर नवीनीकरण आवेदन न किये जाने पर सम्बन्धित का लाईसेंस कैंसिल किया जाए। साथ ही निर्देशित किया कि पब्लिक सुरक्षा के दृष्टिगत सभी केन्द्रों पर फायर सेफ्टी उपकरण लगाये जाने, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से चस्पा रहे। अब सभी सेन्टरों पर भवन नक्शा तथा फायर सेफ्टी प्रबन्ध, प्रदूषण निमयंत्रण बोर्ड की स्वीकृति अनिवार्य कर दी गई है इसके लिए डीएम ने बैठक में निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कड़े शब्दों में कहा कि अल्ट्रासाउंड इस्तेमाल उपचार तक ही सीमित रहे, अनैतिक किरदारों पर जिला प्रशासन द्वारा दमनकारी नीति अपनाते हुए कार्यवाही की जाएगी। ऐसा करते पाए जाने पर अल्ट्रासाउंड केन्द्रों की सीधा मान्यता रद्द की जाएगी। कहा कि तकनीकि का उपयोग जनहित के लिए रहे, अनैतिक कार्य करने वालों को जिले में कोई जगह नही है। ऐसा कृत्य करते पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि रोस्टर बनाकर क्षेत्रवार सेन्टरों का निरीक्षण करें निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित एसडीएम एवं पुलिस क्षेत्राधिकारियों को शामिल करने के निर्देश दिए। साथ सेक्स रेसियो आंकड़ों का अवलोकन करने पर सहसपुर ब्लॉक का सेक्स रेसियो ब्लॉक की तुलनमा में काफी कम पाया गया । जिस पर डीएम ने सहसपुर ब्लॉक में सेक्स रेशियो सोशल ऑडिट कराने के निर्देश दिए, जिसमें सम्बन्धित एसीएमओ, महिला चिकित्सक सहित सामाजिक संस्था के प्रतिनिधि भी टीम में हो।

बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मनोज शर्मा, पुलिस अधीक्षक नगर प्रमोद कुमार, उप जिलाधिकारी सदर हरिगिरि, जेडी लॉ जीसी पंचौली, डीजीसी जीपी रतूड़ी, वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट जेपी नौटियाल, डॉ निखिल कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास जितेन्द्र कुमार, डॉ ममता बहुगुणा, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास जितेन्द्र कुमार, सहित सम्बन्धित अधिकारी, समिति के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

अतिथि देवो भवः की परम्परा का ध्यान रखेंः महाराज

–जीएमवीएन की बुकिंग पहुंची ग्यारह करोड़ चौरासी लाख के पार

(संवाददाता)

देहरादून,। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट पूर्ण विधि–विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ खुलने पर समस्त सनातन धर्मावलंबियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री यमुनोत्री, श्री गंगोत्री, श्री केदारनाथ और श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया है। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड के प्रमुख चारधामों में से एक बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देने के साथ साथ हेमन्त द्विवेदी को श्री बद्रीनाथ श्री केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष बनने और ऋषि प्रसाद सती एवं विजय कपरवाण को बीकेटीसी के उपाध्यक्ष बनाये जाने पर शुभकामनाएं दी हैं।

चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं और पुलिस प्रशासन, स्थानीय प्रशासन से अपील करते हुए पर्यटन मंत्री श्री महाराज ने कहा कि ष्अतिथि देवो भव की परम्परा का निर्वाह करते हुए चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत और सत्कार का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन का सहयोग करते हुए सभी श्रद्धालु अपनी यात्रा को सुरक्षित और सफल बनाने के लिए यात्रा में आने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें और अपनी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार यात्रा की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए आवश्यक दवाएं और उपकरण साथ रखें। यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेज़, जैसे कि पहचान पत्र और यात्रा अनुमति, साथ रखें। यात्रा के दौरान सरकार की गाईड लाईन और दिशा–निर्देशों का पालन अवश्य करें। उन्होने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर श्रृद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। 30 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ हुई चारधाम यात्रा के पंजीकरण के तहत अभी तक 24,37, 444 (चौबीस लाख सैंतीस हजार चार सौ चवालीस) यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। जबकि डेढ़ लाख के लगभग श्रद्धालु अभी तक धामों में दर्शनों का लाभ उठा चुके हैं। धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री महाराज ने बताया कि फरवरी 2025 से शुरू हुई जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की ऑनलाइन और ऑफलाइन बुकिंग के तहत अभी तक कुल 11,84,78,601 (ग्यारह करोड़ चौरासी लाख अठ्ठहत्तर हजार छह सौ एक) रुपये से अधिक की बुकिंग भी की जा चुकी है।

कार्यशाला मे छात्राओं को सूचना प्रौद्योगिकी की महत्ती भूमिका से जागरूक किया

(संवाददाता)

देहरादून,। उदयन शालिनी फैलोशिप कार्यक्रम, देहरादून चौप्टर ने सार्वजनिक प्रशासन और शासन में डिजिटल अनुप्रयोग पर एक कार्यशाला आयोजित की। जिसका उद्देश्य छात्राओं को उभरती प्रौद्योगिकियों और शासन में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक करना था। कार्यशाला में

मुख्य वक्ता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय अकादमी मसूरी के वरिष्ठ निदेशक (आईटी) विनोद कुमार तनेजा ने अपने संबोधन में इस बात पर विस्तार से प्रकाश डाला कि आज के दौर में किस प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी को सार्वजनिक प्रशासन और शासकीय कार्यों में एकीकृत किया जा रहा है । उन्होंने इसकी बढ़ती महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि आने वाले समय में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है।

कार्यक्रम संयोजक विमल डबराल ने प्रतिभागियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य डिजिटल उपकरणों को अपनाने के लिए प्रेरित किया और साथ ही यह भी सलाह दी कि हमें तकनीक पर पूर्णतया निर्भर भी नहीं होना चाहिए। सॉफ्टवेयर इंजीनियर ओजस्वी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स तथा मशीन लर्निंग पर विस्तृत जानकारी दी, जिससे छात्राओं में जिज्ञासा और उत्साह पैदा हुआ। मेंटर ब्योम बहादुर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को करियर के रूप में अपनाने पर अपने विचार साझा किए और छात्राओं को इस क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं का पता लगाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में वरुणा और फरहा ने भी संबंधित विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शालिनी खुशी ने किया। कार्यशाला में शताक्षी, निधि धीमान, प्रियंका पांडे, नंदिनी गुप्ता, अंशिका धीमान के साथ ही सौ से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग करते हुए लोक–प्रशासन एवं दैनिक तथा शासकीय कार्यों में डिजिटल तकनीक तथा इसके अनुप्रयोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

सड़क सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारीः पदमश्री डॉ. बीके संजय

–हम सबको सड़क यातायात के नियमों का पालन करना चाहिएः डॉ. गौरव संजय

–वाहन चलाते समय मोबाइल को नहीं सड़क को देखें

(संवाददाता)

देहरादून। राजनीतिक शास्त्र विभाग हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला द्वारा व्याख्यान कराए गए। जिसमें संजय ऑर्थोपीडिक स्पाइन एवं मेटरनिटी सेंटर देहरादून के डॉ. गौरव संजय एवं पद्मश्री डॉ बीकेएस संजय रहे। जिसका विषय सड़क दुर्घटना जन जागरूकता का था। डॉ. गौरव संजय ऑर्थोपीडिक एवं स्पाइन सर्जन रहे साथ में समाजसेवी महेश कुमार कोहली की भी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राजनीतिक शास्त्र विभाग के प्रो हरीश कुमार ठाकुर के स्वागत अभिभाषण के साथ हुई। उन्होंने पद्मश्री डॉ बीके संजय, डॉ गौरव संजय और महेश कुमार कोहली का स्वागत अभिनंदन किया और उन्हें सम्मानित भी किया। उसके बाद ऑर्थोपीडिक एवं स्पाइन सर्जन डॉ गौरव संजय जी ने अपना वक्तव्य रखा। जिसमें उन्होंने सड़क दुर्घटना से होने वाली समस्याओं एवं सड़क दुर्घटनाओं दुर्घटनाएं क्यों होती है?, कैसे होती है? इन सभी बिंदुओं पर उन्होंने प्रकाश डाला साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को बताया कि सड़क दुर्घटनाओं से कैसे बचा जा सकता है। इसके बारे में भी विस्तार से बताया।

उसके बाद पदमश्री डॉ. बी. के. एस. संजय ने अपना संबोधन कहा कि वह पिछले 25 सालों से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चला रहे हैं। जिसके अंतर्गत उन्होंने 200 से भी ज्यादा संस्थानों में अपने विचारों को साझा किया है। इससे पहले उन्होंने 30 अप्रैल 2025 को उत्तराखंड राजभवन में अपना सड़क सुरक्षा जागरूकता संगोष्ठी का भी आयोजन कर चुके हैं जिसके मुख्य अतिथि उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह जी थे। इन्होंने आज के आज के कार्यक्रम के दौरान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में आए हुए छात्र–छात्राओं को बताया कि हम कैसे मानव जीवन को अच्छा बना सकते हैं,अपने व्यवहार से और अपने शब्दों से। हम अपने जीवन को कैसे खुशहाल बना सकते हैं उन्होंने वक्तव्य में मानवता के अलग–अलग पहलुओं को उजागर कियाऔर उन्होंने कहा कि हम कैसे सड़क दुर्घटनाओं से बच सकते हैं। डॉ. संजय ने एक पुस्तक भी लिखी है इसका शीर्षक है उपहार संदेश का और इसके साथ ही डॉ. बी. के. एस. संजय और डॉ. गौरव संजय ने संयुक्त रूप से दो पुस्तके भी प्रकाशित की है जिसका शीर्षक है फ्रॉम द पेन ऑफ सर्जनस एवं भारत में सड़क दुर्घटनाएं। इन पुस्तकों में बताया गया है कि सड़क दुर्घटनाएं क्यों होती हैं? उनसे कैसे बचा जा सकता है? उसके बाद महेश कुमार कोहली ने अपना वक्तव्य रखा और सभी प्रतिभागियों से अपील की कि हमें सड़क यातायात नियमों का पालन करना चाहिए इस व्याख्यान में राजनीतिक शास्त्र विभाग के डॉ. विकास सिंह, डॉ भावना, डॉ. मिनी पाठक डोगरा, और प्रो. हरीश कुमार ठाकुर जी उपस्थित रहे।

मुख्तार अंसारी की मौत की जांच मामले में बेटे उमर को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नईदिल्ली,एंजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी की मौत की जांच मामले में बेटे उमर अंसारी की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया. यूपी के दबंग नेता रहे मुख्तार अंसारी की बीते साल यूपी की बांदी जेल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी.

उमर ने शुरुआत में ही पने पिता मुख्तार अंसारी के लिए सुरक्षा की मांग की थी. साथ ही उन्होंने उन्हें उत्तर प्रदेश से बाहर की जेल में भेजे जाने का अनुरोध किया था. पिता मुख्तार की मौत के बाद उमर ने इस मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच की मांग की थी.

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि चूंकि याचिका मूल रूप से उमर के पिता के जीवित रहते ही दायर की गई थी. इसलिए पीठ ने उनकी मृत्यु के बाद कार्यवाही जारी रखने में अनिच्छा व्यक्त की.

इस मामले को लेकर पीठ ने उमर से कहा कि वह किसी भी कानूनी कार्यवाही के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं. उमर ने दावा किया कि हालांकि उनके पिता की मौत की न्यायिक जांच की गई थी, लेकिन उन्हें अब तक रिपोर्ट नहीं मिली.

बीते साल जुलाई में उमर ने दावा किया था कि उसके पिता को दिए गए भोजन के माध्यम से उन्हें ज़हर दिया गया था. इसके साथ ही उन्हें जरूरी मेडिकल सेवाएं भी नहीं दी गई थीं. जिसकी वजह से हिरासत में ही मुख्तार अंसारी की मौत हो गई थी.

उमर अंसारी ने साल 2023 में एक याचिका दायर कर यूपी के बांदा जेल में बंद अपने पिता मुख्तार अंसारी की सुरक्षा को खतरा होने का आरोप लगाया था. बीते साल 28 मार्च को मऊ सदर विधानसभा क्षेत्र से 5 बार विधायक रहे अंसारी की बांदा के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी. उमर के वकील ने दलील दी थी कि उनके मुवक्किल को अपने पिता की सुरक्षा को लेकर जो डर था, वही हुआ.

नितिन गडकरी को राहत, 2019 के नागपुर चुनाव पर बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने रखा बरकरार

नईदिल्ली,एंजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें अदालत ने अपने फैसले में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ साल 2019 में नागपुर के उनके चुनाव को चुनौती देने वाली याचिकाओं में से कुछ आरोपों को खारिज कर दिया था. इस फैसले से गडकरी को राहत मिली है.

नितिन गडकरी के नागपुर लोकसभा सीट से साल 2019 में लड़े गए इस मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने की. पीठ ने कहा कि गडकरी 2024 के आम चुनावों में फिर से इलेक्शन जीत गए. पीठ ने कहा कि वह हाइकोर्ट के अपनाए गए तर्क से सहमत है. पीठ ने कहा, हमें उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता.

इस तरह से कांग्रेस उम्मीदवार नाना फल्गुनराव पटोले और नागपुर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नफीस खान की याचिका को पीठ ने खारिज कर दिया. याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के 26 फरवरी, 2021 के आदेश को चुनौती दी थी.

गौर करें तो नितिन गडकरी के खिलाफ दायर चुनाव याचिकाओं को उच्च न्यायालय ने खारिज तो नहीं किया, लेकिन परिवार के सदस्यों की आय और उनके स्वामित्व वाली भूमि के संबंध में उनमें की गई कुछ अन्य बातों को खारिज कर दिया. याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था.

बता दें कि नफीस खान ने आरोप लगाया था कि भोला ने अपना नामांकन पत्र और नामांकन हलफनामे में गलत जानकारी दी है. वहीं नाना फल्गुनराव पटोले ने दावा किया कि चुनाव प्रक्रिया के लिए निर्धारित प्रॉसेस का पालन नहीं किया गया. उधर आदिवासियों ने भी तर्क दिया खा कि उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में गलती की.

भारत ने पाकिस्तानी विमानों की नेविगेशन प्रणाली को जैमर से बाधित किया

नईदिल्ली,एंजेंसी। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से खतरों को टालने के लिए बड़ा उपयोग किया है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि भारत ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों के ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम सिग्नल को बाधित करने के लिए पश्चिमी सीमा पर अत्याधुनिक जैमिंग सिस्टम लगाए हैं।

इस कदम के बाद पाकिस्तान की नेविगेशन और स्ट्राइक क्षमताओं में काफी कमी आने की जानकारी मिली है। लक्ष्यों को भी बाधित करती है।

खबरों के मुताबिक, भारतीय जैमिंग प्रणालियां अमेरिका के जीपीएस, रूस के ग्लोनास और चीन के बेइदोउ सहित कई उपग्रह-आधारित नेविगेशन प्लेटफार्मों में हस्तक्षेप कर सकती है।

इनका उपयोग आमतौर पर पाकिस्तानी सैन्य विमानों द्वारा किया जाता है।

जैमर से संभावित संघर्ष या घुसपैठ के दौरान पाकिस्तान की जागरूकता, लक्ष्य की सटीकता और सटीक निर्देशित हथियारों की प्रभावशीलता को बाधित किया जा सकता है। इससे आसमान में भी भारतीय सुरक्षा मजबूत दिखाई दे रही है।

यह कदम तब उठाया गया है, जब भारत ने पाकिस्तान की उड़ानों का भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। भारत ने नोटिस टू एयरमैन जारी कर 30 अप्रैल से 23 मई तक पाकिस्तान द्वारा पंजीकृत, संचालित और पट्टे पर दिए गए सभी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। इसमें सभी वाणिज्यिक एयरलाइंस और सैन्य उड़ानें भी शामिल हैं।

महिला टी-20 विश्व कप 2026: 12 जून से इंग्लैंड में आगाज, लॉर्ड्स में होगा फाइनल

नईदिल्ली,एंजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा आयोजित महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आयोजन इंग्लैंड में 12 जून से 5 जुलाई तक किया जाएगा।

इस टूर्नामेंट का फाइनल ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन में 5 जुलाई को खेला जाएगा। यह महिला टी-20 विश्व कप का दसवां संस्करण होगा, जिसमें पहली बार 12 टीमें हिस्सा लेंगी। टीमें 2 समूहों में विभाजित होंगी, प्रत्येक समूह में 6 टीमें होंगी। प्रत्येक टीम अपने समूह की अन्य सभी टीमों के साथ मुकाबला करेगी।

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम मेजबान होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुका है। इसके अलावा, 2024 महिला टी-20 विश्व कप की शीर्ष 5 टीमें भी सीधे क्वालीफाई कर चुकी हैं। एक अतिरिक्त टीम आईसीसी महिला टी-20 टीम रैंकिंग के आधार पर चुनी जाएगी। शेष 4 स्थान विश्व कप क्वालिफायर के माध्यम से निर्धारित किए जाएंगे। 2024 महिला टी-20 विश्व कप का खिताब न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने अपने नाम किया था। 2026 महिला टी-20 विश्व कप का आयोजन इंग्लैंड के 7 प्रतिष्ठित स्टेडियम- लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड, हेडिंग्ले, एजबेस्टन, हैम्पशायर बाउल, द ओवल और ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत शुक्रवार, 12 जून से होगी और यह 24 दिनों तक चलेगा। इस दौरान कुल 33 मुकाबले खेले जाएंगे। इस आयोजन का उद्देश्य महिला क्रिकेट को वैश्विक खेल मंच पर और अधिक मजबूती से स्थापित करना है और खेल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

आज मुंबई इंडियंस का राजस्थान रॉयल्स से मुकाबला

जयपुर । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 50 वें मुकाबले में आज (1 मई) मुंबई इंडियंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा. ये मैच शाम 7:30 बजे से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा. इस मैच में मुंबई इंडियंस का लक्ष्य लगातार छठी जीत दर्ज करना होगा, जबकि राजस्थान का लक्ष्य मैच जीतकर अपने आप को प्लेऑफ की रेस में बनाए रखना होगा. क्योंकि राहुल द्रविड़ की टीम 10 मैचों में 3 जीत और 7 हार के साथ अंक तालिका में 8वें स्थान पर है, और इसके अभी चार मैच बाकी है. अगर राजस्थान अपने चारों मैच जीत जाता है तो उसके कुल 14 अंक हो जाएंगे. जिसके बाद उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए दूसरे टीमों के नतीजों पर निर्भर होना पड़ेगा. लेकिन अगर वो एक भी मैच गंवाते हैं तो सीएसके के बाद प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन जाएगी.

खूबसूरत गाउन में रूबीना दिलैक ने कराया फोटोशूट, फैंस बोले-अप्सरा लग रही हो

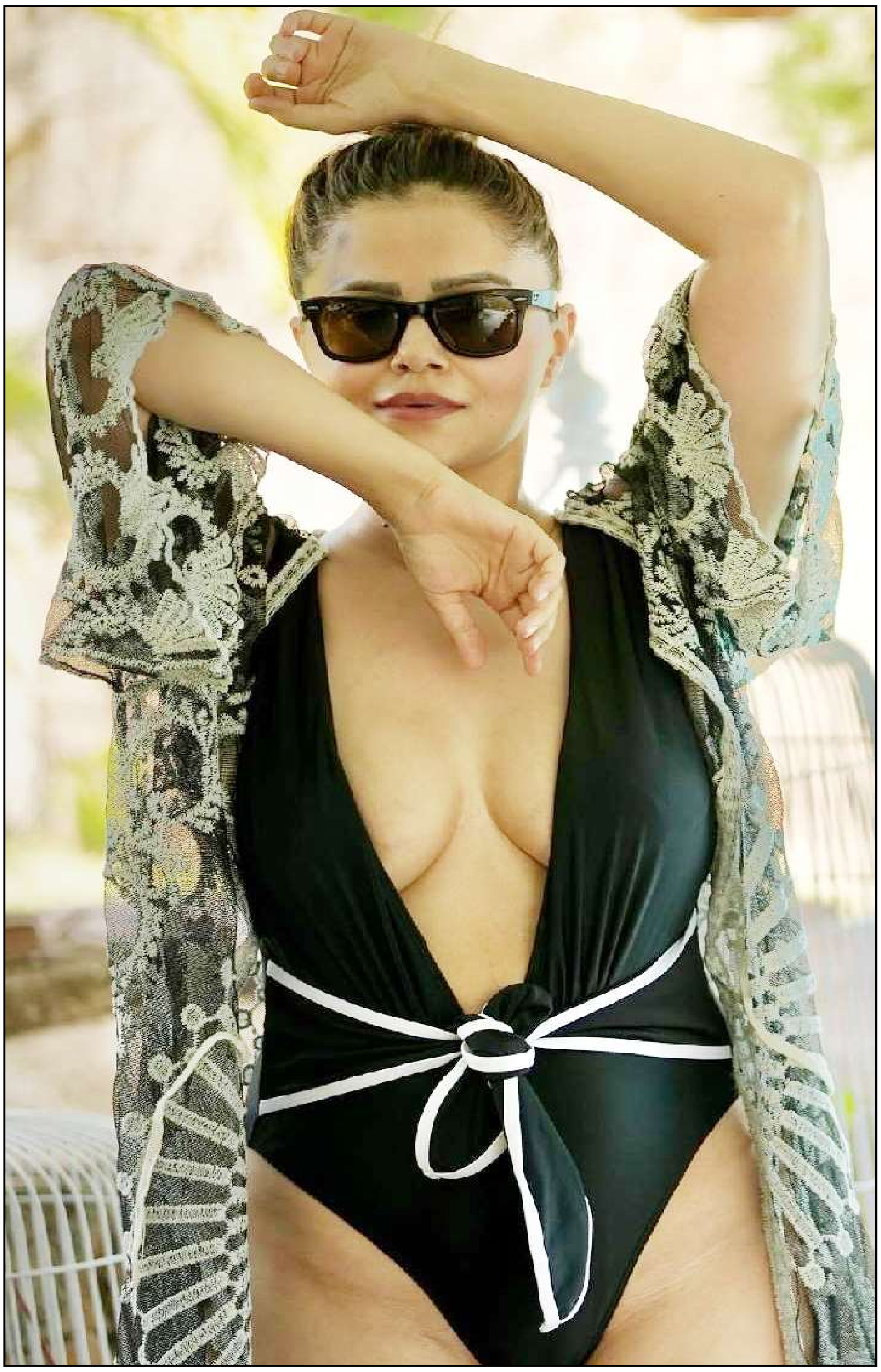

टीवी एक्ट्रेस रूबीना दिलैक की खूबसूरती और फैशन का कोई जवाब नहीं है। वह सोशल मीडिया पर अपने नए लुक के फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वह किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। उनके इस लुक पर फैंस दिल हार बैठे हैं। उनका यह फोटोशूट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लेटेस्ट फोटोशूट में रूबीना ब्राउन कलर के गाउन में कैमरे की ओर पोज दे रही हैं। उन्होंने अपने लुक को शानदार बनाने के लिए बालों को खुला छोड़ा है और कलाई पर एक ब्रेसलेट के साथ वॉच भी बांधी हुई है। नेट का दुपट्टा उनकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम कर रहा है। इन फोटोज को शेयर करते हुए रूबीना ने कैप्शन में लिखा, सुनहरी धूप ने कुछ इस तरह से छुआ...

फैंस उनकी इन तस्वीरों को बेहद पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स में तारीफों के पुल बांध रहे हैं। एक यूजर ने लिखा - ब्यूटीफुल, वहीं दूसरे ने कहा- अप्सरा लग रही हो आप। बता दें कि रुबीना दिलैक ने मिस शिमला समेत कई ब्यूटी कॉन्टेस्ट में अवॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले वह आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं। इसके लिए वह चंडीगढ़ में तैयारी भी कर रही थीं। इस दौरान अपनी एक फ्रेंड के कहने पर उन्होंने छोटी बहू सीरियल के लिए ऑडिशन दिया और सेलेक्ट हो गईं। यहां से उन्होंने एक्टिंग में जाने का फैसला किया और सीरियल में राधिका का रोल निभाया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह ~ एक नई उम्मीद, जीनी और जूजू और शक्ति जैसे हिट शो का हिस्सा रही हैं। उन्होंने राजपाल यादव स्टारर फिल्म अर्ध से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह बिग बॉस 16 की विनर भी रही हैं।

योग चैंपियनशिप में 18 पदक जीतने वाले छात्र सम्मानित

देहरादून, । माउंट लिट्रा जी स्कूल में हुई राज्य योग चैंपियनशिप में 18 पदक जीतने वाले दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। 27 अप्रैल को हुई इस प्रतियोगिता में राज्य के 24 प्रतिष्ठित विद्यालयों से आए लगभग 600 छात्रों ने भाग लिया था। जिसमें डीपीएस की टीम 18 पदक अर्जित कर प्रथम उप विजेता का खिताब जीता। जिनमें 11 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य पदक शामिल हैं। योग शिक्षिका नूपुर भुई के कुशल मार्गदर्शन ने इस जीत में अहम भूमिका निभाई। प्रधानाचार्य बीके सिंह विजयी छात्रों एवं शिक्षिका को बधाई दी।

भारत ने 1 मिलियन से अधिक नए उद्यमियों को किया प्रोत्साहित

देहरादून। टीआईईसीओएन 2025 को सम्बोधित करते हुए जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि भारत सरकार अपने महत्वाकांक्षी प्रोग्रामों जैसे स्टार्ट-अप इंडिया, स्किल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन के माध्यम से एक मिलियन से अधिक उद्यमियों को बढ़ावा दे रही है। रिकॉर्ड किए गए मैसेज के ज़रिए उनके संदेश को टीआईईसीओएन में डिलीवर किया गया, गौरतलब है कि टीआईईसीओएन दुनिया का अग्रणी टेक्नोलॉजी एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्फ्रैन्स है, जिसका आयोजन सेंटा क्लारा कन्वेंशन सेंटर, कैलिफोर्निया, यूएसए में किया गया।

'एआईवर्स' विषय पर आयोजित सालाना तीन दिवसीय सम्मेलन में उद्यमी, इनोवेटर्स, निवेशक और अकादमिक जगत के प्रतिनिधि एक मंच पर इकट्ठा हुए, जिन्होंने समाज एवं उद्यमों के भविष्य को आकार देने में आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स की भूमिका पर विचार-विमर्श किया। भारतीय प्रतिनिधियों की बात करें तो डीप-टेक, क्लाइमेट इनोवेशन, हेल्थकेयर, एआई और डिजिटल रूपान्तरण से जुड़े लीडर इस सम्मेलन में शामिल हुए, जिन्होंने ग्लोबल इनोवेशन पार्टनर के रूप में देश की बढ़ती भूमिका पर रोशनी डाली। इन प्रतिनिधियों ने प्रत्यास्थता, समावेशन और प्रयोजन-उन्मुख विकास में निहित भारतीय उद्यमिता की भावना को दर्शाया। तीन दिवसीय विशाल सम्मेलन की शुरूआत 30 अप्रैल को हुई थी।

पहले दिन संदेश देते हुए मंत्री ने कहा, आज भारत ऐसे शक्तिशाली दौर से गुज़र रहा है जहां इनोवेशन, उद्यम और कौशल एक साथ मिलकर नए विश्वस्तरीय आयाम स्थापित कर रहे हैं। हमारे देश के हर कोने में उद्यमी वास्तविक समस्याओं को हल कर रहे हैं, स्थायी उद्यमों का निर्माण कर बड़े पैमाने पर प्रभाव उत्पन्न कर रहे हैं।

टीआईईसीओएन 2025 में भारत की भागीदारी आज के एआई दौर में भारत को ग्लोबल टैलेंट हब एवं इनोवेशन पार्टनर के रूप में मजबूती से स्थापित करती है। कई महत्वपूर्ण प्रयासों के साथ भारत विश्वस्तर पर कौशल की खामियों को दूर करने और उभरते एआईवर्स में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सिलिकॉन वैली के दौरान टीआईईसीओएन 2025 कन्वेंशन को सम्बोधित करते हुए वेद मणि तिवारी, सीईओ, एनएसडीसी और एमडी एनएसडीसी इंटरनेशनल ने कहा, एआई इस तरह दुनिया को बदल रहा है, जिसकी हमने कभी कल्पना तक नहीं की थी, ऐसे में इस मार्ग में आने वाली चुनौतियों को हल करते हुए अवसरों का लाभ उठाना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। इसके लिए हमारे युवाओं एवं प्रोफेशनल्स को कौशल प्रदान करना बहुत ज़रूरी है, ताकि वे आने वाले समय के लिए तैयार रहें। एनएसडीसी ने विभिन्न पहलों के माध्यम से युवाओं को स्किल एवं अपस्किल करने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। हम उन्हें उभरते क्षेत्रों में इनोवेटर्स, उद्यमी और भावी लीडर्स बनने के लिए सशक्त बना रहे हैं। हम एक बेहतर कल के निर्माण के लिए मानव पूंजी एवं टेक्नोलॉजी की क्षमता का लाभ उठाना चाहते हैं।

उन्होंने इस बात पर रोशनी डाली कि किस तरह भारत की कौशल प्रणाली विकसित हो कर युवाओं के लिए भावी कौशल प्रशिक्षण को सुलभ बना रही है। स्किल इंडिया डिजिटल हब जैसे आधुनिक प्लेटफॉर्म्स सुनिश्चित करते हैं कि देश भर में लर्नर्स किसी भी समय, कहीं से भी नए कौशल सीख सकें। उन्होंने भारत को कुशल मैनपावर के ग्लोबल सप्लायर के रूप में बदलने में एनएसडीसी इंटरनेशनल की भूमिका पर भी रोशनी डाली। निगम ने सम्मेलन में विशेष प्रदर्शनी स्टॉल भी लगाई जिसने दुनिया भर से प्रतिभागियों को खूब लुभाया।

छात्रों को वायुसेना में रोजगार के अवसरों की दी जानकारी

पौड़ी ब्यूरो। राजकीय महाविद्यालय के प्लेसमेंट सैल की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिमसें वायु सेना के अफसरों ने छात्र-छात्राओं को वायु सेना में शिक्षा के क्षेत्र रोजगार के विषय संबंधित जानकारी दी। इस दौरान भारतीय वायु सेना में स्क्वाड्रन लीडर अरविंद सिंह रावत ने पीपीटी के द्वारा भारतीय वायु सेना में नियुक्ति के अवसर, परीक्षा, पद्धति, चयन प्रणाली, शारीरिक दक्षता, संबंधी विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक क्रियाकलापों एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं में उनकी तैयारी से संबंधित विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने भारतीय वायुसेना में चयन होने की विभिन्न मानकों का विस्तार से उल्लेख किया व परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकारों, उसके स्तर का बिंदुवार भी उल्लेख किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सतीश कुमार गुजराल द्वारा इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित कराकर राजभवन न्यू बस्ती भीमगोड़ा, जिला हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

: सम्पादक :
सतीश कुमार गुजराल
मो० 9412957346

e-mail:
satopathexpress@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय ही मान्य होगा।